ग्रामीण पर्यटन के कायाकल्प की तैयारी

चिह्नित 93 गांवों में होम स्टे समेत अन्य सुविधाओं का होगा विकास

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में तेजी से पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। पर्यटन के नए क्षेत्र भी खोजे व विकसित किए जा रहे हैं। इसमें ग्रामीण पर्यटन तेजी से उभरता क्षेत्र है। इसे देखते हुए ग्रामीण पर्यटन के कायाकल्प की तैयारी है। इसके तहत प्रदेश के 93 गांवों को चिह्नित कर उनका विकास किया जाएगा।

पर्यटन विभाग ने चिह्नित गांवों में होम स्टे समेत अन्य सुविधाओं के विकास पर फोकस किया है। आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ही यहां की प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं को देखने व उसे महसूस करने की ललक देशी-विदेशी पर्यटकों में तेजी से बढ़ी है।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत पहले चरण में पांच मंडलों के 93 गांवों में टूरिस्ट गाइड, लोक कलाकार व अन्य पर्यटन स्टाफ की तैनाती की जाएगी। जो स्थानीय स्तर के ही होंगे।

अयोध्या, लखनऊ, देवीपाटन और चित्रकूट, वाराणसी मंडल पर फोकस

उन्होंने बताया कि राजधानी स्थित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) का भी कायाकल्प किया जाएगा। यहां लैंडस्केप, रिनोवेशन, म्यूरल फॉर्मेशन, फाउंटेन, पाथवे, सीटिंग, बैरीकेडिंग, शेड, वॉल पेंटिंग के काम होंगे।

यहां युवाओं को प्रशिक्षण देकर पर्यटन की योजनाओं के लिए उन्हें तैयार किया जाएगा।

12 मेगा सर्किट व पांच मंडलों पर ज्यादा जोर

प्रदेश में 12 मेगा टूरिज्म सर्किट चिह्नित किए गए हैं। इनमें रामायण, सूफी कबीर, बुंदेलखंड, जैन, कृष्ण-ब्रज, शक्ति-पीठ, महाभारत, वाइल्ड लाइफ-ईको पर्यटन, स्वतंत्रता संग्राम, आध्यात्मिक, बौद्ध व शिल्प सर्किट प्रमुख हैं। इसी क्रम में अयोध्या, लखनऊ, देवीपाटन, चित्रकूट व वाराणसी मंडल में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काम तेज किया जा रहा है। ये मंडल प्राकृतिक छटा, लोक कला, ग्रामीण संस्कृति तथा आध्यात्मिक, ऐतिहासिक व पारंपरिक मूल्यों के लिहाज से काफी समृद्ध हैं।